प्रेस विज्ञप्ति

ब्रह्माकुमारी संस्थान वैश्विक सद्‌भावना की जीवन्त मिसाल ... डॉ. रमन सिंह, मुख्यमंत्री

रायपुर, ४ अक्टूबर: मुख्यमंत्री डॉ. रमनसिंह ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान व्यवहारिक रूप से वैश्विक सद्‌भावना का सबसे अच्छा उदाहरण है। यहाँ पर सब कार्य बिना किसी भेदभाव के परिवार भाव से किया जाता है। जिस दिन यह अहसास सारे विश्व को हो जाएगा कि हम सभी एक परमात्मा की सन्तान हैं, उस दिन सारे विश्व में सद्‌भावना हो जाएगी।

डॉ. रमन सिंह आज प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा शान्ति सरोवर में आयोजित वैश्वक महोत्सव के भव्य समारोह में अपना उद्‌गार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर गृह मंत्री ननकीराम कंवर, पंचायत मंत्री रामविचार नेताम, खाद्यमंत्री पुन्नू लाल मोहिले एवं कृषिमंत्री चन्द्रशेखर साहू भी उपस्थित थे। महोत्सव में छत्तीसगढ़ के अलावा समीपवर्ती मध्यप्रदेश और उड़ीसा से भी बहुत बड़ी संख्या में लोग शामिल होने के लिए रायपुर आए थे।

हाल ही में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्थान के अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय माउण्ट आबू प्रवास का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह संस्थान आध्यात्मिक उर्जा का सबसे बड़ा केन्द्र है। वहाँ पर पक्ष और विपक्ष सब भेद भुलाकर एक हो जाते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. रमनसिंह ने कहा कि प्रकृति ने हमारी जरूरतों के हिसाब से सब चीजें पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराई हैं। लेकिन यह चीजें संग्रह के लिए नहीं हैं। जब इन्सान अपनी लालसा और स्वार्थवश प्रकृति के साथ छेड़खानी करने लगता है, तब यही शक्तियाँ विध्वसंकारी बन जाती हैं। मानव जाति का भला करना है तो इन शक्तियों का सदुपयोग करना सीखना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया में इन्सान सबसे अधिक बुद्धिमान प्राणि कहलाता है, किन्तु उसने अपने ही विनाश के लिए अणु और परमाणु बमों का निर्माण किया है। यह हथियार किसी जानवर आदि को मारने के लिए नहीं बनाए गए हैं, वरन् बेगुनाह और निरीह इन्सानों को मारने के लिए बने हैं। उन्होंने विज्ञान के साधनों की चर्चा करते हुए कहा कि सेटेलाइट के माध्यम से आज के कार्यक्रम का १३६ देशों में सीधा प्रसारण किया जाना, विज्ञान के सदुपयोग का सबसे अच्छा उदाहरण है।

इन्दौर जोन के क्षेत्रीय निदेशक ब्रह्माकुमार ओमप्रकाश ने कहा कि हरेक शक्ति का कोई न कोई स्त्रोत जरूर होता है। जैसे घर में बिजली चाहिए तो पावरहाउस से कनेक्शन लेना होगा। उसी प्रकार आध्यात्मिक का स्त्रोत परमात्मा है, अत: उनके साथ सम्बन्ध जोड़ना होगा। परमात्मा से सम्बन्ध जोड़ने की सहज विधि राजयोग है।

दक्षिण पूर्व एशिया की आचंलिक निदेशिका ब्रह्माकुमारी मीरा बहन ने कहा कि परमात्मा का गायन है कि वह सुख और शान्ति के सागर हैं। इसलिए जीवन में सुख और शान्ति चाहिए तो उनसे राजयोग के माध्यम से सम्बन्ध जोड़ना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जब हम राजयोग के द्वारा स्वयं को शरीर से अलग

(शेष अगले पृष्ठ २ पर ...)

चैतन्य आत्मा समझकर परमात्मा को सम्बन्धपूर्वक याद करते हैं तो उनकी शक्तियों की हमें अनुभूति होती है।

माउण्ट आबू से पधारे ब्रह्माकुमार सूर्य ने कहा कि वर्तमान समय मनुष्य के जीवन में व्याप्त समस्त समस्याओं का प्रमुख कारण मन के नकारात्मक और व्यर्थ विचार हैं। हमारे नकारात्मक विचारों के कारण उसी प्रकार के प्रकम्पनों की उत्पत्ति होती है। इसलिए यदि भलाई चाहते हैं, अच्छे और शुद्ध विचार मन लाएं। मन में जितने पाजिटिव संकल्प होंगे उतना ही वायुमण्डल भी शुद्ध और पवित्र बनेगा।

ब्रिटेन के जिम रेयान ने कहा कि भारत देश में अनेक भगवान हैं लेकिन उनके देश में दो ही भगवान हैं-विज्ञान और प्रौद्योगिकी। लेकिन विज्ञान की इतनी तरक्की के बावजूद वहाँ के लोगों के जीवन में सुख नहीं है। भौतिक सम्पन्नता के बावजूद भी बहुत तनाव है। ब्रह्माकमुारी संस्थान में आने पर यहाँ के अपनत्व और नि:स्वार्थ स्नेह ने उन्हें बहुत प्रभावित किया।

तुर्की की सुश्री जिलियन सॉवेर ने कहा कि भारत देश आध्यात्मिकता की जननी है। ब्रह्माकुमारी संस्थान में अनुयायी नहीं बनाए जाते, वरन् परिवार के सदस्य समझकर व्यवहार किया जाता है। यहाँ के लोगों की कथनी और करनी में समानता होती है, इसी बात ने उन्हें बहुत प्रभावित किया।

महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम के अन्तर्गत ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा संचालित शक्तिनिकेतन इन्दौर की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत रंगारंग कार्यक्रमों ने मन मोह लिया। विशेषकर एक जंग अपने संग नृत्यनाटिका ने जनमानस को झकझोर कर रख दिया। पर्यावरण के प्रति सभी को अपनी जिम्मेदारियों के प्रति सचेत वाली इस नृत्यनाटिका में बतलाया गया कि कैसे भौतिकवादिता में जकड़े हुए मनुष्यों ने अपने स्वार्थवश प्रकृति के पांचों तत्वों को प्रदूषित कर दिया है, जिससे भयंकर असन्तुलन पैदा हो गया है। इस अवसर पर लेजर शो का प्रदर्शन भी किया गया।

प्रेषक : मीडिया प्रभाग
प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, रायपुर
फोन: 2282526